गगास

द्विमासिक ई पत्रिका

उत्तराखण्ड शासन

अंक-04

अप्रैल –मई 2025

डॉ0 प्रताप बिष्ट, राजकीय महाविद्यालय, भिकियासैंण (अल्मोड़ा)

CREATIVITY IS INTELLIGENCE HAVING FUN

ALBERT EINSTIEN

सम्पादक मण्डल

सम्पादक– डॉ0 इला बिष्ट, असि0 प्रो0 समाजशास्त्र

सहसम्पादक– डॉ0 परितोष उप्रेती, असि0 प्रो0 भूगोल

छात्रा सम्पादक– रितु बिष्ट, बी0ए0 षष्ठम सेमेस्टर

छात्र सम्पादक– हिमांशु आर्या, बी0ए0 षष्ठम सेमेस्टर

तकनीकी सहयोग– श्री पूरन सिंह जलाल

सलाहकार– 1– डॉ0 दीपा लोहनी, असि0 प्रो0 इतिहास
2– डॉ0 सुभाष चन्द्र आर्य, असि0 प्रो0 हिन्दी

संरक्षक एवं प्राचार्य

प्रो0 शर्मिला सक्सेना,
प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, भिकियासैंण (अल्मोड़ा)

विषयानुक्रमणिका

01- शुभकामना संदेश

02- सम्पादकीय

03- विद्यार्थियों की कलम से

04- अतिथि की कलम से

05- कुल गीत

06- उपलब्धियां

07- अखबार से

08- मीमांसा

09- महाविद्यालय परिवार

10- इनफॉरमेशन डेस्क

प्रो. (डा०) कमल किशोर पांडेय
निदेशक (उच्च शिक्षा)

उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तराखण्ड
हल्द्वानी-263139 (नैनीताल)
Email - highereducation.director@gmal.com

संदेश

महोदय,

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि डा० प्रताप बिष्ट राजकीय महाविद्यालय, अल्मोड़ा अपनी द्विमासिक ई-पत्रिका 'गगास' के चतुर्थ संस्करण का प्रकाशन करने जा रहा है।

'गगास' में विद्यार्थियों के रचनात्मक सृजन के विकास के साथ-साथ संस्था से जुड़ी विभिन्न उपलब्धियों को भी भलीभाँति प्रतिबिम्बित किया गया है। गौरव की बात है कि महाविद्यालय अपने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति के प्रति जुड़ाव, परंपराओं के उन्नयन एवं आधुनिक जीवन की चुनौतियों के अनुरूप ढाल रहा है। आशा है चिंतन, मनन, सृजन और नवाचार का यह क्रम अनवरत रहेगा।

मैं, उक्त पत्रिका के प्रकाशन हेतु महाविद्यालय के प्राचार्य, सम्पादक मंडल, प्राध्यापकगण, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को बधाई व शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ ।

(प्रो० के० के० पांडेय)

Mo.9412164240
8954618138

पारस

शैक्षिक एवं सामाजिक संस्था (सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

प्रधान कार्यालयः गायत्री भवन, गाँधीनगर, भिकियासैन-263667 (अल्मोड़ा) उत्तराखण्ड

E-mail: kuber.kskarakoti@gmail.com

शुभकामना संदेश

राजकीय महाविद्यालय भिकियासैन, अल्मोड़ा की प्रबुद्ध प्राचार्या तथा विद्वान प्राध्यापक वर्ग के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु समय-समय पर विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों का संचालन किया जाता रहा है। इसी कड़ी में द्विवार्षिक ई-पत्रिका 'गगास' का प्रकाशन भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के साथ शिक्षा जगत से जुड़े अन्य लोगों के लिए भी यह पत्रिका लाभदायक एवं प्रेरणाप्रद सिद्ध होगी।

कोई भी पत्रिका संस्था व समाज के लिए संजीवनी का कार्य करती है, पत्रिका में संकलित बहुआयामी कलेवरयुक्त जानकारियाँ सभी के लिए उपयोगी, अनुकरणीय तथा ज्ञानवर्द्धक होती हैं। उसकी मिठास और सुगन्ध सकारात्मक चिन्तन, प्रखर प्रज्ञा एवं नवीन उत्साह की पावन त्रिवेणी मन-मस्तिष्क में प्रवाहित करती रहती है।

इसी उद्देश्य की प्राप्ति हेतु 'गगास' पत्रिका के चतुर्थ अंक प्रकाशन की सफलता की कामना करते हुए महाविद्यालय परिवार द्वारा इस तरह के उपयोगी कार्यों की सराहना करता हूँ तथा अनन्त शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

भवदीय

कुबेरसिंह कड़ाकोटी 5/8/24

(कुबेरसिंह कड़ाकोटी)

शैलेश मटियानी शिक्षक उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त शिक्षक

संस्थापक- पारस शैक्षिक एवं सामाजिक संस्था

एवं

पारस पुस्तकालय एवं वाचनालय

भिकियासैन

सम्पादकीय

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि महाविद्यालय की ई- पत्रिका गगास का अंक-4 प्रकाशित होने जा रहा है। हर दो माह में पत्रिका का एक नया अंक प्रकाशित होना महाविद्यालय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि है। पत्रिका में प्रकाशित होने वाले विभिन्न विद्वानों के आलेख बेहद रोचक, ज्ञानवर्धक एवं लाभकारी है। ई- पत्रिका "गगास" ने एक ऐसा मंच तैयार किया है जिसने विद्यार्थियों को एक ऐसा अवसर दिया है जिसके माध्यम से वे अपने विचार विभिन्न विषयों पर साझा कर सकते हैं और अपनी सृजनात्मक लेखन की क्षमता में वृद्धि कर सकते हैं।

ऋतु बिष्ट,
छात्रा संपादक
बी0ए0 षष्ठम सेमेस्टर

कबूतरी देवी

कबूतरी देवी (1945- 7 जुलाई 2018) एक भारतीय उत्तराखण्डी लोकगायिका थी। उन्होंने उत्तराखण्ड के लोक गीतों को आकाशवाणी और प्रतिष्ठा मंचों के माध्यम से प्रसारित किया था। उन्होंने उत्तराखण्ड के लोक गीतों को नई पहचान दिलाई, उन्होंने आकाशवाणी के लिये लगभग 100 से अधिक गीत गाए। कुमाऊँ कोकिला के नाम से प्रसिद्ध कबूतरी देवी राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित थी।

जन्म

कबूतरी देवी का जन्म 1945 में काली-कुमाऊँ (चम्पावत जिले) के एक मिरासी (लोक गायक) परिवार में हुआ था। संगीत की प्रारम्भिक शिक्षा इन्होंने अपने गांव के देव राम और देवकी देवी प्रख्यात लोक गायक थे। लोक गायन की प्रारम्भिक षिक्षा इन्होंने अपने पिता से ही ली। वे मूल रूप से सीमांत जनपद पिथौरागढ़ के मूनाकोट ब्लाक के क्वीतड़ गांव की निवासी थी। जहां तक पहुंचने के लिये आज भी अड़किनी से 6 किमी० पैदल चलना पड़ता है।

करियर

कबूतरी देवी ने लोक गायन की प्रारम्भिक शिक्षा अपने पिता से ही ली। पहाड़ी गीतों में प्रयुक्त होने वाले रोगों का निरन्तर अभ्यास करने के कारण इनकी शैली अन्य गायिकाओं से अलग है। विवाह के बाद इनके पति श्री दीवानी राम जी ने इनकी प्रतिभा को पहचाना और इन्हें आकाशवाणी और स्थानीय मेलों में गाने के लिये प्रेरित किया। उस समय तक कोई भी महिला संस्कृतिकर्मी आकाषवाणी के लिये नहीं गाती थी। उन्होंने पहली बार उत्तराखण्ड के लोकगीतों को आकाषवाणी प्रतिश्ठित मंचों के माध्यम से प्रस्तारित किया था। 70-80 दशक में नजीबाबाद और लखनऊ व आकाशवाणी से प्रसारित कुमाऊँनी गीतों के कार्यक्रम से उनकी ख्याति बढ़ी। उन्होंने पर्वतीय लोक संगीत को अंतराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाया था। उन्होंने आकाशवाणी के लिये करीब 100 से अधिक गीत गाये। उन्हें उत्तराखण्ड की तीजन बाई कहा जाता है। जीवन के 20 साल गरीबी में बिताने के बाद 2002 से उनकी प्रतिभा को सम्मान मिलना शुरू हुआ। पहाड़ी संगीत की लगभग सभी प्रमुख विधाओं में पारंगत कबूतरी देवी मंगल गीत, ॠतु रैंणी, पहाड़ के प्रवासी के दर्द, कृषि गीत, पर्वतीय पर्यावरण, पर्वतीय सौन्दर्य की अभिव्यक्ति, भगनौल न्यौली जागर, घनेली झोड़ा और चांचरी प्रमुख रूप से गाती थी।

मृत्यु

5 जुलाई 2018 को अस्थमा व हार्ट की दिक्कत के बाद रात्रि 1:00 बजे कबूतरी देवी को पिथौरागढ़ के जिला अस्पताल में दाखिल करवाया गया था। उनकी बिगड़ती हालत को देखकर 6 जुलाई को डाक्टरों ने देहरादून हायर सेंटर रेफर किया था। लेकिन धारचूला से हवाई पट्टी पर हेलीकाप्टर न पहुंच पाने के कारण वह इलाज के लिये हायर सेंटर नहीं पहुंच पाई। इस दौरान उनकी हालत बिगड़ गई और उन्हें वापस जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिसके बाद अगले दिन सुबह 10:24 बजे उनका निधन हो गया। दिनांक 8 जुलाई 2018 को रामेश्वर घाट में सरयू नदी के किनारे उनकी अंत्येष्टि की गयी।

उन्होंने अपने 20 साल अभावों में गुजारे। वर्ष 2002 में उन्हें नवोदय पर्वतीय कला केन्द्र पिथौरागढ़ ने हलिया महोत्सव में बुलाकर सम्मानित किया तथा लोक संस्कृति कला एवं विज्ञान शोध समिति ने उन्हें अल्मोड़ा में सम्मानित किया। उत्तराखण्ड का संस्कृति विभाग भी उन्हें प्रतिमाह पेन्शन देता था। 2016 में 17 वे स्थापना दिवस के अवसर पर उत्तराखण्ड सरकार ने उन्हें लोक गायन के क्षेत्र में लाईफटाईम अचीवमेंट आवार्ड से भी सम्मानित किया था।

गायिका से फिर गुमनामी का अंधेरा

परिस्थितियां हमेशा हमारे अनुकूल नहीं रहती। समय बदलता है वक्त गुजरता है। ऐसा ही कुछ कबूतरी देवी के साथ हुआ। वर्ष 1984 में उनके पति दीवानी राम का देहान्त हुआ। पति की मृत्यु के बाद उनका गीत गाना छूट गया। उनके ऊपर परिवार की सारी जिम्मेदारी आ चुकी थी।

आकाशवाणी में समय पारिश्रमिक का इतना रूपया नहीं मिलता था, कि उनके जीवन का गुजारा हो सके। साथ ही गांव से षहर जाने का खर्चा अलग, परिवार की आर्थिक तंगी के कारण उन दिनों पिथौरागढ़ से आकाषवाणी केन्द्रों तक आना-जाना भी मुष्किल भरा काम होता था।

उनको तब उस समय एक गीत को गाने का पारिश्रमिक केवल रूपये 50 ही मिलता था, जो उनके आने-जाने के खर्च के हिसाब से कम हुआ करता था। इस वजह से उन्होंने मेहनत मजदूरी के अतिरिक्त पैसा जुटाना पड़ता था। हालांकि परिस्थितियां जैसी भी रही हो मगर कबूतरी देवी के गाने आकाषवाणी नजीमाबाद से प्रसारित होते रहे। धीरे-धीरे यह दौर भी गया। अब कबूतरी देवी की छवि लोक गायिका से बदलकर मजदूरी की मेहनत में गुम हो गयी। धीरे-धीरे वह संगीत से होकर दूर चली गयी। पति के मृत्यु के बाद उनपर परिवार की जिम्मेदारी बढ़ गई। और वह संगीत से ज्यादा रोजी-रोटी पर ध्यान देने लगी।

थल नगर में पहाड़ की लोक गायिका स्व० कबूतरी देवी को पुण्यतिथि पर याद किया। रविवार को छठी पुण्यतिथि पर विभिन्न संगठनों ने उनकी याद में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। इस दौरान उनके लोकप्रिय गीत पहाड़क ठंडो पाणी...,सर्ग तारा ज्युनाली राता... सहित गीता गाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी। वक्ताओं ने कहा कि कबूतरी देवी ने अपने गीतों से लोगों के पहाड़ के दर्द से रूबरू कराने का काम किया है। यहां लोक गायक मनोहर आर्या, सुंदर राम, जोहारी राम, दिनेष चन्द्र पाठक, प्रवीण जंगपांग, अर्जुन सिंह रावत, विनोद पन्त, चन्द्र मोहन पांगती और अनिल कार्की सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

दीपा नैनवाल
बी०ए० द्वितीय सेमेस्टर

एन०एस०एस०

परिचय- एन०एस०एस० का पूरा नाम राश्ट्रीय सेवा योजना है। यह भारत सरकार द्वारा संचालित एक कार्यक्रम है, जिसका उद्देष्य छात्रों व युवाओं को सामाजिक कार्यों व सामुदायिक सेवा में षामिल करना और उनका नेतृत्व, कौषल को विकसित करने के अवसर प्रदान करना है। इस कार्यक्रम की देख-रेख भारत सरकार के युवा मामले और खेल मन्त्रालय द्वारा की जाती है। एन०एस०एस० 11 वी व 12 वी कक्षा के छात्रों और कालेजों, विश्वविद्यालयों तथा तकनीकी संस्थानों के छात्रों को सामुदायिक सेवा में सहयोग देने के उद्देष्य से वर्श 1969 में 37 विष्वविद्यालयों में इसे शुरू किया गया। जिसमें लगभग 40,000 स्वयंसेवक षामिल थे। वर्तमान में 657 विश्वविद्यालयों और 512 परिषदों में इसे विस्तृत किया गया है। जिसमें 20669 कालेज, 11988 उच्च माध्यमिक विद्यालय षामिल हैं। स्थापना के बाद से 7.4 करोड़ से अधिक छात्र एन०एस०एस० से लाभान्वित हुए हैं।

प्रभाव- राश्ट्रीय सेवा योजना का छात्रों एवं समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। यह छात्रों को समाजसेवा से सम्बन्धित कार्यों के लिये प्रोत्साहित करता है। साथ ही उनमें सामाजिक जिम्मेदारी, नेतृत्व क्षमता, सामन्जस्य, सामाजिक जागरूकता एवं व्यक्तित्व विकास की भावना उत्पन्न करता है। कुल मिलाकर एन०एस०एस० छात्रों के जीवन में सकारात्मक और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही सेवा व निस्वार्थता का महत्व देता है।

प्रतीक- एन०एस०एस० का प्रतीक कोणार्क सूर्य मन्दिर के रथ पहिये से लिया गया है, जो कि गति, निरत्तरता और प्रगति को दर्षाता है।

लाभ- सेवा के माध्यम से षिक्षा यह एन०एस०एस० का उद्देश्य है। एन०एस०एस० के माध्यम से स्वयं का विकास करने का अवसर प्राप्त होता है। एन०एस०एस० का मुख्य उद्देष्य युवाओं को समाजसेवा के लिये प्रेरित करना और उनमें सामाजिक जिम्मेदारी की भावना पैदा करना है।

कार्यक्षेत्र- एन०एस०एस० भारत सरकार द्वारा संचालित की जा रही एक व्याख्यात योजना है। जिसका कार्यक्षेत्र भारत के विभिन्न राज्यों और केन्द्रषासित प्रदेषों के कालेज, विष्वविद्यालय और तकनीकी संस्थान है।

कार्यक्रम- एन०एस०एस० समाज से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों को आयोजित करता है। जिसमें विशेष शिविर, नियमित जागरूकता कार्यक्रम आदि आयोजित किये जाते हैं। जो समाज में रहने वाले प्रत्येक समुदाय को प्रभावित करता है।

एन०एस०एस० आदर्श वाक्य- एन०एस०एस० का आदर्ष वाक्य है। ”मैं नहीं, बल्कि तुम“ (Not me but you) यह वाक्य एन०एस०एस० के मूल्य जिसमें कि युवाओं को समाजसेवा और सामाजिक जिम्मेदारी के लिये प्रेरित किया जाय का परिचय देता है।

उद्देश्य- राष्ट्रीय सेवा योजना भारत सरकार, युवा मामले और खेल मन्त्रालय की एक केन्द्रीय योजना है। जिसका मुख्य उद्देश्य छात्रों में सामुदायिक सेवा के माध्यम से व्यक्तित्व विकास, चरित्र निर्माण और सामाजिक जागरूकता पैदा करना है।

स्थापना- एन०एस०एस० की स्थापना 24 सितम्बर 1969 को की गयी। जो कि राश्ट्रपिता महत्मा गांधी के जन्म शताब्दी वर्ष में हुई थी।

अदिति शर्मा
बी०ए० द्वितीय सेमेस्टर

अतिथि की कलम से

लास्ट एडवेंचर

जिंदगी जीने के लिए है। उसमें ग़म भी हैं खूबसूरती भी है। आदमी इस खूबसूरती की खुशी को पाने के लिए प्रयास करता है कभी उसे करना पड़ता है कभी वह स्वयं ही कठिनाईयों को खुद अपनाता है यही एडवेंचर है।

चमोली जिले सीमांत तिब्बत बार्डर नीती घाटी में मेरे पिता इण्टर कालेज में प्रधानाचार्य थे। वह कालेज माइगरेटिंग था। गर्मियों में छः महिने वह तिब्बत बार्डर में गमसाली में रहता तो छः महिने ठंड पड़ने के बाद वह नीचे की गर्म घाटी में आ जाता था।
 उस समय मोटर सड़क नहीं थी तो हमारे सारे परिवार को कुल पांच दिन पैदल यात्रा करनी पड़ती थी।

हम गाना गाता थे-"मवासा हिटण पैगो बड़ो विकट ,सरकारी नौकरी बेटा जाणपड़ीलो।" यह जो पैदल यात्रा हमारे सारे परिवार की होती थी वह विवशता में होती थी। पर प्रकृति के बीच जब हम चलते तो फिर जो आत्मसाक्षातकार होता, वह आनंद के चरम को प्राप्त करता।

वहीं मैंने साहसिक यात्राओं के आनंद का पाठ समझा। उसके बाद जीवन चलता रहा। मेरी रूचि साहसिक आनंद में बढ़ती रही और आज उम्र के 81 साल में भी यथावत है। हालांकि शरीर सक्षम अब वो कहां!

वहां की जनजाति की व्यापार के लिए तिब्बत यात्रा वैसे ही कम रोमांचक नहीं थी। अपनी जिंदगी के कुछ किस्से जो मैंने अनुभव किये वह बतलाता हूं।

छिनका चमोली में ही 1960 की बात है एक अनवाल था। बकरी चलाते चलाते ऊंचाई में बुग्याल में, बर्फ में वह नंगे पांव चलता था। दबंग उसकी आत्मशक्ति थी और शरीर लहीम शहीम। नंगे पांव चलते चलते उसके पांव के तले बिल्कुल जूते के सोल जैसे हो गये थे। उसमें कांटा लगता तो वह भी टूट जाता। पर गरीबी थी। इकलौता बेटा था वह भी बीमार। मजबूरी से पर्वतारोहियों के साथ पॉटर का काम करता।

एक बार एक पर्वतारोहियों की बंगाली टीम आयी उन्हें पार्टर की जरूरत थी, वह उसे ले गये। शायद कामेट पर्वत पर वह अभियान था। पूरे सात दिन चलते चलते हो गये। पर भारी बर्फबारी ने सारे रास्ते बर्बाद कर दिये।

पर्वतारोही रास्ता ही खो गये। वह पस्त हो गये थे। एक कदम आगे नहीं चल पाये। बस उस समय वही अनवाल था जो आगे जाने को तैयार हुआ। पर्वतारोहियों के लीडर ने कहा,'' तुम चोटी में जा सकते हो तो चले जाओ। यह झंडा लो इसे गाड़ देना।'' एक कैमरा भी उसे दिया और कहा कि फोटो भी ले लेना।

अनवाल को चोटी चढ़ने का तकनिकी ज्ञान नहीं था पर आश्चर्यजनक अंदाज से अनवाल चोटी पर चढ़ गया और झंडा गाढ़ दिया। वापस आया तो पर्वतारोहियों ने जो पस्त पड़ गये थे उसे पिस्टल दिखा के कहा, "खबरदार मत बताना तुम चढे थे। यह बताना कि हम चढे थे।वरना यही मार देंगे।'' और पैसे भी जो तय थे वह भी कम दिये। उस समय तकनिकी एडवांस भी नहीं थे। आइएमएफ कोई वैरीविकेशन भी नहीं करती थी। अब तो बहुत जॉच होती है।

यह सारी गाथा उस पॉटर ने मेरे पिता को सुनाई। वह बहुत आहत था। वह फिर दूसरी बार पर्वतारोहियों के साथ पॉटर गया और वही एवलांच में खत्म हो गया। उसका बीमार बच्चा भी खत्म हो गया।

इस तरह की पर्वतारोहण की शौर्यपूर्ण,शोक पूर्ण शोषण की,त्याग की, बचाव की कितनी ही कहानियां हैं।

अब आगे की कहानियों का वर्णन करता हूं जब पर्वतारोहण और साहस की कहानियों की करूणा से में अंदर तक भीग गया।

दुनिया के माने जाने पर्वतारोही क्रिप्स बोनिंगटन जबरदस्त दम वाले थे। पर्वतारोही से भी ऊपर वह मानवीय थे। वह एक दिन में तीन तीन चोटी चढ़ जाने वाले पर्वतारोही थे। पर्वतारोहरण या कोई भी साहसिक कार्य के पीछे दम तो चाहिए ही,साथ ही नैतिक दम भी चाहिए। बोनिंगटन कहते थे कि किसी भी साहसिक अभियान में शाररिक क्षमता से ज्यादा मानसिक क्षमता चाहिए। पर्वतारोहरण में यह नहीं है कि आप चोटी पर चढ़ जाएं। महत्वपूर्ण यह है कि आप अपनी पूरी टीम को, अपने सबसे कमजोर साथी को आगे लेकर चलें। यह अकेलपन की कहानी नहीं, भातृत्व और त्याग की गाथा है। यह बहुत कठिन अदभुद प्रक्रिया है।

उत्तरकाशी निम संस्था आज सारे भारत में पर्वतारोहरण प्रशिक्षण में अब्बल है। उसके कभी के प्रंसपल मेजर प्रेमचन्द्र ने एक बार मुझ से दूरबीन से बर्फीले पहाड़ देख कर कहा,' देख रहे हैं ना आप सर ये पहाड़। बहुत खूबसूरत लगते हैं। पर इनकी खूबसूरती का आनंद लेते लेते हड्डी पसली एक हो जाती है। अथाह कठिन हैं इनकी यात्राएं। अगर हिम्मत न हो,दम न हो,मेंटली आप दमदार न हों तो मत जाइये वहां! दूरवीन से देख लीजिए।

उत्तरकाशी में मेरी पोंस्टिंग थी। एक पर्वतारोही हमारे वहां आते थे। उनमें गहरा प्यार था। मेरे साथ ऐसे ही जुड़ गये थे जैसे माटी में पेड़। जब तब घर आता रहता थे। गरीबी की वजह से कम पढ़े लिखे थे, पर अपने दिमाग से तेज गहरी नजर वाले, वैचारिक थे। पता नहीं कैसे मुलाकात हुई कि अंतरंगता हो गयी। वह साहित्य पढ़ते थे। कभी जिक्र करते थे किसी पढ़ी किताब का।

वह पर्वतारोहियों के साथ जाते कभी पौर्टर के रूप में कभी गाइड के रूप में। एक बेहतरीन गाइड और बेहतरीन इंसान। जीवन की ललक से भरे।

एक दिन मेरे पास आए बोले, "गुरूजी कल जाना है पर्वतारोहण में। बंगालियों की पार्टी आयी है। गाइड के रूप में जा रहा हूं।'' मैंने कहा, "क्या परेशानी होती है रास्ते में। कहीं जान को खतरा रहता है?" उन्होंने कहा, "खतरा ही खतरा है। सबसे ज्यादा खतरा एवलांच आने पर होता है। कभी कैरावास में फंस जाते हैं। खतरे जितने हैं उतने पैसे नहीं हैं। पर जाना तो जाना ही पड़ता है।'' उसके बारे में उसके साथी कहते थे कि वह जान पर खेल कर अपने साथियों को बचाता है। हम इतने नहीं हैं।

और एक दिन वह मेरे पास आए और एक किताब अन्नाकैरेनीना, लियो टालस्टाय की मुझे दी। बहुत मोटी किताब थी। बोला, "इसे पढ़ियेगा। बहुत कमाल किताब है। पर इतना है कि नाम और पात्र बहुत हैं, रसियान नाम याद भी नहीं रहते। जब वापस एडवेंचर से आउंगा तो इस किताब का दूसरा भाग भी दे दुंगा। बस यह आंखरी एडवेंचर होगा। थक गया हूं। अब आगे पढुंगा। कोई दूसरी नौकरी देखता हूं। यहां खतरे जितने हैं उतनी आमदनी नहीं है। घर चलाना मुश्किल होता है।''

फिर एक महिने बाद समाचार आया कि वह लापता है। साथियों ने बताया कि सब आगे बढ़ रहे थे। अचानक एक ट्रेनी का पांव फिसल गया। वह नीचे लुढकने लगा और एक झाड़ी में अटक गया। उसने जम्प मार दी उसे बचाने के लिए। यह उसके नीचे गया। अपना हाथ दे कर उसे खेंचा। उसने उसे खेंच तो लिया।पर खुद फिसल गया और अनंत गहराइयों में विलीन हो गया।

मुझे याद आया उसका कथन, यह मेरा लास्ट एडवेंचर है।

फिर कभी अन्नाकैरेनिना का दूसरा भाग जो मुझे वापस आ के देने वाला था,वह फिर मैंने कभी नहीं पढा।

डा विजय नेगी मेरा कालेज का शिष्य। मैं राजनीतिशास्त्र पढ़ाता था, वह साइंस का स्टूडेंट था। पर मेरे साथ साइंस के स्टूडेंट्स का भी अच्छा तालमेल था। विजय, पढने में तो होशियार था ही साथ ही दार्शनिक प्रवृत्ति उसकी थी इसलिए मेरे साथ वादविवाद होता रहता था।एक गहरी समझ, अंतरंगता मेरे उसके बीच थी।

वह एक अच्छा खिलाड़ी भी था। और फिर उसने पीएमटी की और डॉक्टरी में चला गया। मेरे उसके बीच खतोखतावत चलती रहीं। कालांतर में वह डॉक्टर सेना में बन गया। वहीं से उसे पवृतारोहण का शौक लगा। और फिर सेना के एवरैस्ट अभियान में वह डॉक्टर के रूप में गया।

एक बार प्रोएवरैस्ट अभियान अभ्यास के दौरान वह मुझसे मिलने उत्तरकाशी मेरे घर आया। उसने कहा,'गुरूजी,जा रहा हूं। एवरैस्ट जीतने के बाद फिर बहुत सी यादों के लिए आप के पास आउंगा। ''

और वह एवलांच में फंस गया। उसके अभियान के पांच सदस्य गायब हो गये। बताया जाता है कि तीन सदस्य एक दूसरे के साथ एक ही रस्सी से बंधे थे। अचानक एक एवलांच में फंस गये। विजय नीचे फिसलने लगा। सभी फिसलने लगे। साथी ने अपने बचने के लिए रस्सी काट दी। और विजय उस अनंत गहराई में समा गया।
वायदा किया था फिर वापस मिलने का। कभी निभा नहीं पाया। आज भी पचपन साल बाद इंतजार है।
ओह ! यह दो यादों के लास्ट एडवेंचर!

प्रभात उप्रेती
रिटायर्ड प्रवक्ता
उच्च शिक्षा, उत्तराखंड

कुलगीत

क्षण, क्षण हर क्षण, उठें, जगें जीतें जीवन रण।
चेतना जगे, हर क्षण ।
स्वयं निखरे, समाज निखरे क्षण, क्षण हर क्षण ।

कर्तव्य की राह में, उन्नति की चाह में,
राष्ट्रहित में राष्ट्रप्रीत में उन्नयन में नवाचार में,
शिक्षा में, दीक्षा में, अंधेरे में, कोप में, हर्ष में, शोक में,
आरोहण में, अवरोहण में, जीवन के हर गीत में क्षण-क्षण,
हर क्षण उठें,
जगें, जीतें जीवन रण क्षण-क्षण हर क्षण ।।

संगम है रामगंगा और गगास का वीणा और ज्ञान प्रकाश का,
कढ़ोली में बुद्धिदात्री के वास का,
हंसवाहिनी वीणावादिनी हे शारदे!
शत्. शत् नमन नित्य, अविरल वंदन
क्षण क्षण हर क्षण ।।

श्री कौशल अग्रवाल
असि० प्रो०
अंग्रेज़ी विभाग

उपलब्धियाँ

माह- अप्रैल 2025

दिनांक- 07-09 अप्रैल 2025

महाविद्यालय में कौशल विकास के तत्वाधान में तीन दिवसीय कार्यशाला का किया गया आयोजन

दिनांक-08 अप्रैल 2025

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर महाविद्यालय की यूथ रेड क्रास सोसाईटी के तत्वाधान में ग्राम श्रीकोट माझली में आयोजित किया गया जागरूकता कार्यक्रम

दिनांक-09 अप्रैल 2025

महाविद्यालय की महिला उत्पीड़न निवारण समिति के तत्वाधान में आर्टिफिसियल इन्टैलीजेंस पर आयोजित किया गया कार्यक्रम

दिनांक-11 अप्रैल 2025

महाविद्यालय के आई०क्यू०ए०सी० विभाग के तत्वाधान में फैकल्टी डैवलपमेंट कार्यक्रम का किया गया आयोजन

दिनांक-12 अप्रैल 2025

महाविद्यालय के मेंटल हैल्थ समिति के तत्वाधान में मानसिक स्वास्थ्य और शिक्षा विषय पर किया गया गोष्ठी का आयोजन

दिनांक-14 अप्रैल 2025

महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वाधान में मनाई गई डॉ0 भीमराव अम्बेडकर की 134 वी जयन्ती

दिनांक -22 अप्रैल 2025

महाविद्यालय में इंडियन रेड क्रास सोसाईटी, उत्तराखण्ड राज्य शाखा के तत्वाधान में एक दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

महाविद्यालय की नवाचार समिति के तत्वाधान में आयोजित किया गया एकेडमिक लीडर डायलौग

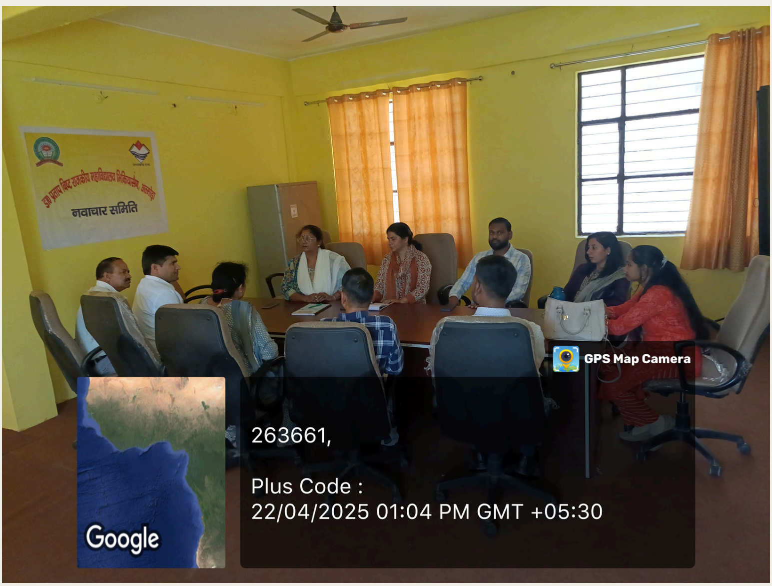

दिनांक -22 अप्रैल 2025

महाविद्यालय में आई०क्यू०ए०सी० एवं अंग्रेजी विभाग के संयुक्त तत्वााधान में एक दिवसीय एफ०डी०पी० कार्यक्रम का किया गया आयोजन

EXPLORING ACADEMIC GATHERINGS

COMPARING WORKSHOPS, SEMINARS, CONFERENCES & SYMPOSIA

An Online Faculty Development Programme organized by
Department of English, Rajkiya Mahavidyalaya Bhikiyasain, Almora

Date & Time: 22 April, 2025, 02:00 PM IST

Keynote Speaker

Dr. Anand Kumar Srivastava
Associate Professor
Department of Commerce & Business Management
Amrapali University, Haldwani

Join us for an insightful discussion !

Mr. Kaushal Kumar
Organizing Secretary

Dr. Paritosh Upreti
Co-Organizing Secretary

Prof. Sharmila Saxena
Principal

Google Meet Link: https://meet.google.com/sgw-dgto-snz

दिनांक - 24-25 अप्रैल 2025

महाविद्यालय में वार्षिक क्रीड़ा समारोह का आयोजन किया गया

दिनांक -25 अप्रैल 2025

महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका के प्रवेशांक का हुआ विमोचन

दिनांक -26 अप्रैल 2025

महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा फाईनेंसीयल लिट्रेसी कार्यक्रम का आंनलाईन माध्यम से किया गया आयोजन

माह- मई 2025

दिनांक-08 मई 2025

विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में किया गया विचार गोष्ठी का आयोजन

दिनांक - 13 मई 2025

महाविद्यालय की मिशन ड्रग फ्री कैम्पस के तहत किया गया जागरूकता कार्यक्रम

दिनांक - 13 मई 2025

महाविद्यालय के स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदान साक्षरता क्लब के तत्वाधान में मतदान जागरूकता हेतु भाषण प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

दिनांक-14 मई 2025

महाविद्यालय के मेंटल हैल्थ क्लब के तत्वाधान में ‘पाजिटिव थिंकिंग’, ‘मेंटल हैल्थ एण्ड वैल बीईंग’ पर किया गया कार्यक्रम का आयोजन

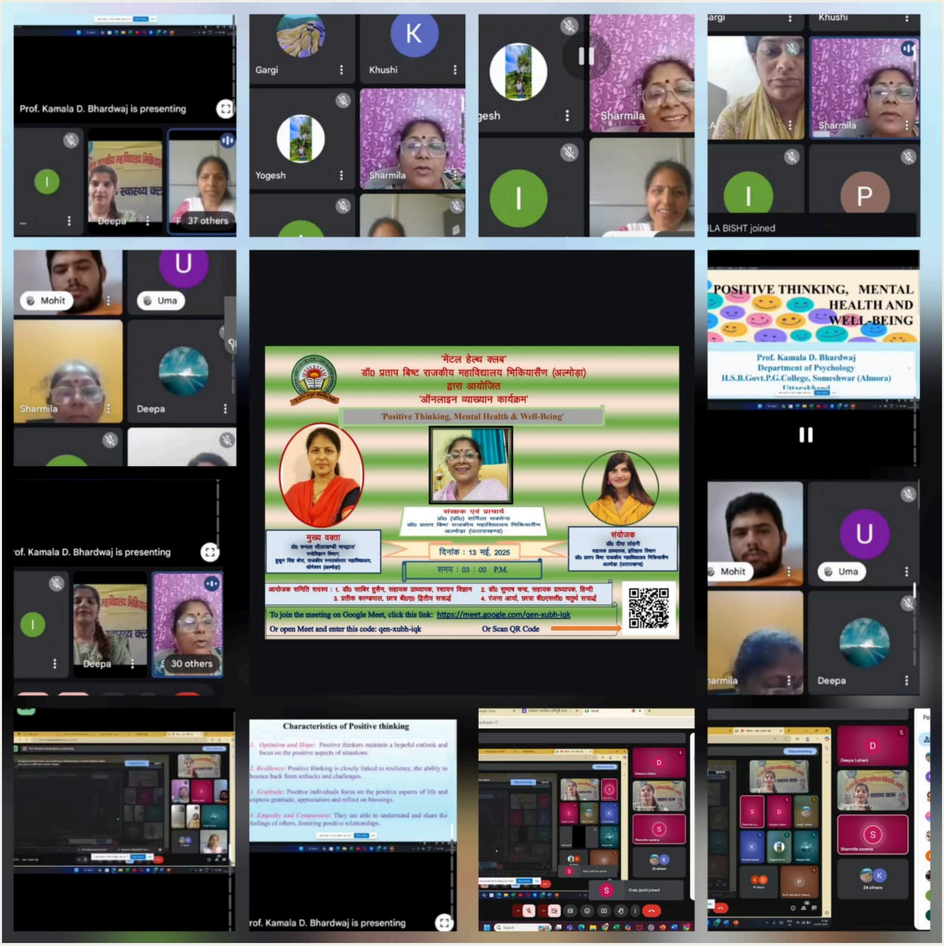

सुर्ख़ियों में महाविद्यालय

दैनिक शुभारम्भ न्यूज़ सच की हर खबर

HOME उत्तराखण्ड शिक्षा स्वास्थ्य संस्कृति अपराध Subscribe Sign In

शिक्षा / Leave a Comment

राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण में स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता साक्षरता कार्यक्रम का हुआ आयोजन।

भिकियासैंण। राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाता साक्षरता क्लब के तत्वाधान में छात्र-छात्राओं में मतदान जागरुकता हेतु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता का विषय "सुरक्षित लोकतंत्र हेतु जागरुक मतदाता की भूमिका" रखा गया। भाषण प्रतियोगिता में अनेक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया, जिसमें छात्रा खुशी रावत बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर प्रथम स्थान, शालिनी जोशी दितीय स्थान एवं खुशी शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम का आयोजन प्रभारी प्राचार्य डॉक्टर गौरव कुमार की अध्यक्षता में हुआ।प्रभारी प्राचार्य द्वारा छात्र-छात्राओं को बताया गया कि लोकतंत्र की सुरक्षा एवं मजबूती के लिए मतदाताओं का जागरुक होकर मतदान करना बहुत आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन स्वीप प्रभारी दिनेश कुमार द्वारा किया गया। निर्णायक मंडल की भूमिका में डॉ. दीपा लोहनी व डॉ. सुभाष आर्य रहे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

रिपोर्टर- एस. आर. चन्द्रा भिकियासैंण

Total V Contact us

Sangam Today

Sangam Today News/- राजकीय इंटर कॉलेज भिकियासैंण के प्रांगण में राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण के वार्षिक क्रीड़ा समारोह के समापन दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक रानीखेत डॉ. प्रमोद नैनवाल रहे।वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता के समापन दिवस पर 100 मीटर,200 मीटर और 800 मीटर दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्रा वर्ग 100 मीटर दौड़ में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान में क्रमशः रंजना,प्रियंका जोशी और गीतांजलि रहे।वहीं छात्र वर्ग में प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर क्रमशः योगेश बिष्ट,नितिन बिष्ट और मनीष रावत रहे। छात्रा वर्ग 200 मीटर दौड़ में क्रमशः प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर ज्योति,रंजना और गीता रहे।छात्र वर्ग 200 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान पर योगेश बिष्ट,द्वितीय स्थान पर मनीष रावत एवं तृतीय स्थान पर दीपक रावत रहे। छात्रा वर्ग 800 मीटर दौड़ में मीना ने प्रथम,मोनिका ने द्वितीय एवं ज्योति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं छात्र वर्ग 800 मीटर दौड़ में मुकेश बिष्ट प्रथम,प्रतीक कांडपाल द्वितीय एवं कार्तिक कुमार तृतीय स्थान पर रहे।इस अवसर पर विधायक जी एवं महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शर्मिला सक्सेना ने प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किया । महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने विधायक को अपनी समस्याओं से संबंधित मांग पत्र भी दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के क्रीड़ा प्रभारी डॉ.दयाकृष्ण, श्री साबिर हुसैन , डॉ. दीपा लोहनी,डॉ.बी. एन. पांडे, श्री कौशल कुमार डॉ. इला बिष्ट, डॉ. दिनेश कुमार, डॉक्टर राजीव कुमार, डॉक्टर परितोष उप्रेती, गौरव कुमार ,प्रदीप कुमार, वीरेंद्र राम, शेर सिंह, महेश चंद्र, श्याम सुंदर, पूरन जलाल , सतीश कुमार उपस्थित रहे।निर्णायक मंडल में जाहिद हुसैन और अफजाल हुसैन रहे।कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर सुभाष चंद्र आर्य ने किया।

डा. आंबेडकर जयंती

भिकियासैण मे बाबा साहब डा. भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करते विद्यार्थी (बाएं)। राइंका कमलेश्वर मे बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित करते विद्यार्थी (मध्य) व सामाजिक समरसता मंच की ओर से आयोजित कार्यक्रम मे प्रस्तुति देते कलाकार • जागरण

संविधान निर्माता बाबा साहब के पदचिह्नों पर चलने का संकल्प

अल्मोड़ा में विभिन्न संगठनों की ओर से चौघानपाटा स्थित पार्क में **मूर्ति पर किया माल्यार्पण,** भावपूर्ण स्मरण भी किया गया

संस, जागरण • अल्मोड़ा : संविधान निर्माता भारत रत्न डा. भीमराव आंबेडकर की जयंती अल्मोड़ा समेत जनपद भर में धूमधाम से मनाई गई। लोगों ने बाबा साहेब के पदचिह्नों पर चलने का संकल्प लिया। कहा कि बाबा साहेब केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक विचारधारा हैं, आज उन्हीं के चलते हम सबको न्याय का अधिकार मिला है। ...

भिकियासैंण में भी धूमधाम से मनाई गई जयंती

संस, जागरण • भिकियासैंण : शिल्पकार सेवा समिति की ओर से बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर जयंती शिल्पकार भवन मे धूमधाम से मनाई गई। शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रेम रावत, विशिष्ट अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष भिकियासैंण दीपक बिष्ट आदि ने किया। बाबा साहेब के विचारों और उनके योगदान को याद कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। यहां संरक्षक भगीरथ चौधरी, महिपाल बिष्ट, महेंद्र पाल, खुशाल राम, रामी राम, डा. एसआर चंद्रा, गौरी शंकर आर्या, वंशीधर आर्या आदि मौजूद रहे। इधर, डा. प्रताप सिंह राजकीय महाविद्यालय मे भी राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से जयंती धूमधाम से मनाई गई।

बाबा साहब ने दलितों व वंचितों के उत्थान के लिए किया काम

संस, जागरण • चौखुटिया : अखेती मे डा. भीमराव आंबेडकर की जयंती विविध रंगारंग कार्यक्रमों के साथ समारोह पूर्वक मनाई गई। इस मौके पर बाबासाहब के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनका भावपूर्ण स्मरण किया गया। वक्ताओं ने उन्हें बहुआयामी प्रतिभा का धनी बताया। ...

सामाजिक समरसता विचार मंच ने निकाली संकल्प यात्रा : बाबा साहब आंबेडकर की 134वीं जयंती पर सामाजिक समरसता विचार मंच की ओर से अल्मोड़ा में संकल्प यात्रा निकाली गई। सिद्ध नौला मंदिर से नंदादेवी मंदिर परिसर तक निकाली गई इस यात्रा में स्कूली बच्चों की ओर से देशभक्ति के गीतों का गायन किया ...

जयंती पर लिया सामाजिक एकता का संकल्प

न्यूज डायरी

स्वस्थ दिमाग के लिए सकारात्मक चिंतन जरूरी: कमला

भिकियासैंण (अल्मोड़ा)। डॉ. प्रताप बिष्ट राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण में मेंटल हेल्थ क्लब की ओर से सकारात्मक सोच, मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमें मानसिक स्वास्थ्य के लिए सकारात्मक चिंतन को आवश्यक बताया। बतौर मुख्य वक्ता सोमेश्वर महाविद्यालय की मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. कमला धौलाखंडी भारद्वाज रहीं। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. शर्मिला सक्सेना ने कहा कि ऐसे आयोजन वर्तमान समय की जरूरत हैं। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. दीपा लोहनी ने मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। कार्यक्रम से राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज चौनलिया, राजकीय कन्या इंटर कॉलेज भिकियासैंण, अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज भिकियासैंण के छात्र, पुरातन छात्रसंघ अध्यक्ष प्रवेश सौंटियाल, हिमांशु मनराल, शिक्षक-अभिभावक संघ के अध्यक्ष मोहन सिंह, मेंटल हेल्थ क्लब के डॉ. साबिर हुसैन, डॉ.सुभाष चंद्र, प्रतीक कांडपाल, रंजना आर्या आदि ने हिस्सा लिया। संवाद

दैनिक शुभारम्भ न्यूज़ सच की तह तक
HOME उत्तराखण्ड शिक्षा स्वास्थ्य संस्कृति अपराध Subscribe Sign In

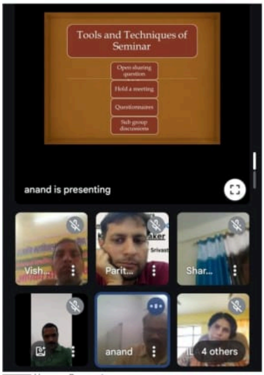

उत्तराखण्ड / Leave a Comment

राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण में एक दिवसीय एफडीपी कार्यक्रम हुआ आयोजित।

भिकियासैंण। राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण में अंग्रेजी विभाग और आईक्यूएसी (IQAC) समिति द्वारा एक दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम एफडीपी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रोफेसर शर्मिला सक्सेना द्वारा की गई। मुख्य वक्ता डॉ. आनंद कुमार श्रीवास्तव, सह प्राध्यापक, वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग, आम्रपाली विश्वविद्यालय हल्द्वानी ने सेमिनार संगोष्ठी कार्यशाला और सेमिनार पैनल से संबंधित सभी पहलुओं पर विस्तृत रुप से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य इन शैक्षिक आयोजनों के बीच के अंतर को स्पष्ट करना था। डॉ. श्रीवास्तव ने इन विभिन्न प्रकार के आयोजनों के स्वरुप, उद्देश्य और कार्यप्रणाली पर विस्तृत चर्चा की, जिससे शिक्षकों और शोधकर्ताओं को इन कार्यक्रमों को सही तरीके से समझने और उपयोग करने में मदद मिली।

कार्यक्रम के आयोजन सचिव कौशल कुमार ने कार्यक्रम की सफलता के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और मेहनत से इस सत्र का आयोजन सुनिश्चित किया। वहीं कार्यक्रम के सह-आयोजन सचिव डॉ. परितोष उप्रेती ने धन्यवाद देते हुए डॉ. श्रीवास्तव का आभार व्यक्त किया। सभी प्रतिभागियों ने इस सत्र से बहुत कुछ सीखा और इस कार्यक्रम को शैक्षिक दृष्टिकोण से अत्यंत उपयोगी बताया। कार्यक्रम का समापन करते हुए डॉ. श्रीवास्तव का धन्यवाद किया गया।

रिपोर्टर- एस. आर. चन्द्रा भिकियासैंण

Total Views: 3 , Today: 1

दैनिक शुभारम्भ न्यूज़ सच की तह तक
HOME उत्तराखण्ड शिक्षा स्वास्थ्य संस्कृति अपराध Subscribe Sign In

शिक्षा / Leave a Comment

डॉ. प्रताप बिष्ट राजकीय महाविद्यालय में मनाया गया विश्व रेडक्रॉस दिवस।

भिकियासैंण। डॉ. प्रताप बिष्ट राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण में महाविद्यालय की यूथ रेड क्रॉस सोसाइटी के तत्वाधान में विश्व रेडक्रॉस दिवस का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम के अवसर पर पर "ऑन द साइड का ह्यूमैनिटी" मानवता के पक्ष में, विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के चंद्र किशोर फर्स्ट एड लेक्चर अल्मोड़ा द्वारा रेडक्रॉस सेवकों एवं छात्र-छात्राओं को व्याख्यान दिया गया। विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर रेडक्रॉस के जनक हेनरी डयूनेन्ट का जीवन परिचय दिया गया तथा उनकी पुस्तक ए मेमोरी ऑफ सोल्फेरीनो के बारे में भी विस्तार से बताया गया।

व्याख्यान में रेडक्रॉस के सिद्धांतों एवं मूल्य के बारे में भी चर्चा की गई। साथ ही रेडक्रॉस के चिन्ह के महत्व और उसके विशेषताओं का भी वर्णन किया गया। इस वर्ष की थीम "ऑन द साइड ऑफ" ह्यूमैनिटी मानवता के पक्ष में बल देते हुए रेडक्रॉस स्वयंसेवकों को मानवता के सिद्धांत के अनुसार बिना किसी भेदभाव के हर व्यक्ति की सहायता करने के लिए हमेशा तत्पर रहने का संदेश दिया गया। रेडक्रॉस स्वयंसेवकों से यह आह्वान किया गया कि मानवता ही परम धर्म है और रेडक्रॉस स्वयंसेवक मानवता के लिए सदैव तत्पर रहे। कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य, प्रोफेसर शर्मिला सक्सेना के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. विश्वनाथ पांडे द्वारा की गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. इला बिष्ट यूथ रेडक्रॉस इंचार्ज द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के रेडक्रॉस स्वयंसेवक, विद्यार्थी प्राध्यापक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

Contact us

दैनिक शुभारम्भ न्यूज़ सच की तह तक
HOME उत्तराखण्ड शिक्षा स्वास्थ्य संस्कृति अपराध Subscribe Sign In

शिक्षा / Leave a Comment

डॉ. प्रताप बिष्ट राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण में मेंटल हेल्थ समिति के तत्वावधान में "मानसिक स्वास्थ्य व शिक्षा" विषय पर गोष्ठी का हुआ आयोजन।

भिकियासैंण। डॉ. प्रताप बिष्ट राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण में मेंटल हेल्थ समिति के तत्वावधान में "मानसिक स्वास्थ्य और शिक्षा" विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व से अवगत कराना व जागरुक करना था। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. दयाकृष्ण की अध्यक्षता में हुई। वहीं "मेंटल हेल्थ समिति" की संयोजक डॉ. दीपा लोहनी द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने अपने व्याख्यान द्वारा छात्र-छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य पर विस्तृत जानकारी दी। अर्थशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ. विश्वनाथ पांडे ने छात्र-छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुक किया और मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने के विभिन्न तरीकों को रोचक पूर्ण तरीके से समझाया।

समाजशास्त्र विभाग की प्राध्यापक डॉ. इला बिष्ट ने मानसिक स्वास्थ्य, मानसिक विकार, लक्षण व रोकथाम के उपाय के विषय में विस्तृत रुप से चर्चा कर छात्र- छात्राओं को जागरुक किया। हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉ. सुभाष चंद्र ने छात्र-छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर बताया कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग, प्राणायाम और स्वस्थ जीवन शैली को अपनाना आवश्यक है। वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक डॉ. राजीव कुमार ने छात्र-छात्राओं को मेंटल हेल्थ और स्ट्रेस मैनेजमेंट के बारे में जागरुक किया और कहा कि हमें तकनीकी का संयमित उपयोग करना चाहिए, जिससे मानसिक स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव न पड़े। मेंटल हेल्थ समिति की संयोजक डॉ. दीपा लोहनी ने अपने संबोधन में कहा कि शारीरिक रुप से स्वस्थ रहने के साथ-साथ मानसिक रुप से स्वस्थ रहना भी जरुरी है, इसलिए तनाव प्रबंधन के प्रति जागरुक होना वर्तमान समय में जरूरी हो गया है। कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त महाविद्यालय स्टॉफ का सहयोग रहा।

Contact us

दैनिक शुभारम्भ न्यूज़ सच की तह तक
HOME उत्तराखण्ड शिक्षा स्वास्थ्य संस्कृति अपराध Subscribe Sign In

शिक्षा / Leave a Comment

डॉ. प्रताप बिष्ट राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण में मेंटल हेल्थ समिति के तत्वावधान में "मानसिक स्वास्थ्य व शिक्षा" विषय पर गोष्ठी का हुआ आयोजन।

भिकियासैंण। डॉ. प्रताप बिष्ट राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण में मेंटल हेल्थ समिति के तत्वावधान में "मानसिक स्वास्थ्य और शिक्षा" विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व से अवगत कराना व जागरुक करना था। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. दयाकृष्ण की अध्यक्षता में हुई। वहीं "मेंटल हेल्थ समिति" की संयोजक डॉ. दीपा लोहनी द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने अपने व्याख्यान द्वारा छात्र-छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य पर विस्तृत जानकारी दी। अर्थशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ. विश्वनाथ पांडे ने छात्र-छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुक किया और मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने के विभिन्न तरीकों को रोचक पूर्ण तरीके से समझाया।

समाजशास्त्र विभाग की प्राध्यापक डॉ. इला बिष्ट ने मानसिक स्वास्थ्य, मानसिक विकार, लक्षण व रोकथाम के उपाय के विषय में विस्तृत रुप से चर्चा कर छात्र- छात्राओं को जागरुक किया। हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉ. सुभाष चंद्र ने छात्र-छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर बताया कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग, प्राणायाम और स्वस्थ जीवन शैली को अपनाना आवश्यक है। वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक डॉ. राजीव कुमार ने छात्र-छात्राओं को मेंटल हेल्थ और स्ट्रेस मैनेजमेंट के बारे में जागरुक किया और कहा कि हमें तकनीकी का संयमित उपयोग करना चाहिए, जिससे मानसिक स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव न पड़े। मेंटल हेल्थ समिति की संयोजक डॉ. दीपा लोहनी ने अपने संबोधन में कहा कि शारीरिक रुप से स्वस्थ रहने के साथ-साथ मानसिक रुप से स्वस्थ रहना भी जरुरी है, इसलिए तनाव प्रबंधन के प्रति जागरुक होना वर्तमान समय में जरूरी हो गया है। कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त महाविद्यालय स्टॉफ का सहयोग रहा।

Contact us

शिक्षा / Leave a Comment

डॉ. प्रताप बिष्ट राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण में मेंटल हेल्थ समिति के तत्वावधान में "मानसिक स्वास्थ्य व शिक्षा" विषय पर गोष्ठी का हुआ आयोजन।

भिकियासैंण। डॉ. प्रताप बिष्ट राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण में मेंटल हेल्थ समिति के तत्वावधान में "मानसिक स्वास्थ्य और शिक्षा" विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व से अवगत कराना व जागरुक करना था। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. दयाकृष्ण की अध्यक्षता में हुई। वहीं "मेंटल हेल्थ समिति" की संयोजक डॉ. दीपा लोहनी द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने अपने व्याख्यान द्वारा छात्र-छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य पर विस्तृत जानकारी दी। अर्थशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ. विश्वनाथ पांडे ने छात्र-छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुक किया और मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने के विभिन्न तरीकों को रोचक पूर्ण तरीके से समझाया।

समाजशास्त्र विभाग की प्राध्यापक डॉ. इला बिष्ट ने मानसिक स्वास्थ्य, मानसिक विकार, लक्षण व रोकथाम के उपाय के विषय में विस्तृत रुप से चर्चा कर छात्र- छात्राओं को जागरुक किया। हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉ. सुभाष चंद्र ने छात्र-छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर बताया कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग, प्राणायाम और स्वस्थ जीवन शैली को अपनाना आवश्यक है। वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक डॉ. राजीव कुमार ने छात्र-छात्राओं को मेंटल हेल्थ और स्ट्रेस मैनेजमेंट के बारे में जागरुक किया और कहा कि हमें तकनीकी का संयमित उपयोग करना चाहिए, जिससे मानसिक स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव न पड़े। मेंटल हेल्थ समिति की संयोजक डॉ. दीपा लोहनी ने अपने संबोधन में कहा कि शारीरिक रुप से स्वस्थ रहने के साथ-साथ मानसिक रुप से स्वस्थ रहना भी जरुरी है, इसलिए तनाव प्रबंधन के प्रति जागरुक होना वर्तमान समय में जरूरी हो गया है।

Contact us

उत्तराखण्ड / Leave a Comment

डॉ. प्रताप बिष्ट राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण की यूथ रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस पर ग्राम श्रीकोट – माझली में मनाया गया स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम।

भिकियासैंण। डॉ. प्रताप बिष्ट राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण की यूथ रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया। ग्राम श्रीकोट माझली में स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से एक जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की ब्लॉक को ऑर्डिनेटर भिकियासैंण भावना पपनै द्वारा स्वस्थ जीवन शैली से संबंधित विभिन्न बिंदुओं जैसे संतुलित आहार का महत्व, व्यायाम, योग के महत्व के बारे में बताया गया। साथ ही उन्होंने जीवन शैली से उत्पन्न होने वाले विभिन्न असंक्रमित रोग जैसे मधुमेह, ब्लड प्रेशर, कैंसर तथा मोटापा (ओबेसिटी) और इसके दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से चर्चा की। साथ ही उन्होंने सरकार के द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओ के बारे में भी बताया।

महाविद्यालय के रेड क्रॉस स्वयंसेवकों तथा छात्र-छात्राओं द्वारा ग्रामीणों को साफ-सफाई, स्वच्छता एवं हाथ धोने के विभिन्न चरणों तथा महत्व के बारे में बताया। रेड क्रॉस स्वयं सेवको एवं विद्यार्थियो द्वारा गाँव का भ्रमण कर नारों के माध्यम से ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शर्मिला सक्सेना के मार्गदर्शन में की गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. इला बिष्ट यूथ रेड क्रॉस इंचार्ज एवं डॉ. दिनेश कुमार यूथ रेड क्रॉस सब इंचार्ज के द्वारा संयुक्त रुप से किया गया। उक्त कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग भिकियासैंण की आशा फैसिलिटेटर, आशा कार्यकर्ती, महाविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस सोसाइटी के स्वयंसेवक, विद्यार्थियों व श्रीकोट – माझली के ग्रामीण उपस्थित रहे।

रिपोर्टर- एस. आर. चन्द्रा भिकियासैंण

उत्तराखण्ड / Leave a Comment

डॉ. प्रताप बिष्ट राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण की वार्षिक पत्रिका तितिक्षा के प्रवेशांक का हुआ विमोचन।

भिकियासैंण। डॉ. प्रताप बिष्ट राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण में वार्षिक पत्रिका तितिक्षा के प्रवेशांक का विमोचन विधायक डॉ. प्रमोद नैनवाल द्वारा किया गया। पत्रिका विमोचन कार्यक्रम में विधायक रानीखेत डॉ. प्रमोद नैनवाल ने छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार अपनी रचनाएं लिखते रहने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शर्मिला सक्सेना ने छात्र-छात्राओं द्वारा रचित रचनाओं की भूरी-भूरी प्रशंसा की तथा उन्हें लेखन की बारीकियों के विषय में अवगत कराया। पत्रिका के संपादक डॉ. कौशल अग्रवाल ने कुलगीत को प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों की सराहना की एवं लेखन के इस क्रम को आगे भी जारी रखने का आह्वान किया और सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उमेश नैलवाल, दिनेश घुघत्याल, बालम नाथ, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष चंदन नाथ व महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी व छात्र -छात्राएं उपस्थित रहे।

रिपोर्टर- एस. आर. चन्द्रा भिकियासैंण

Total Views: 10 , Today: 1

शिक्षा / Leave a Comment

डॉ. प्रताप बिष्ट राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण में कौशल विकास का तीन दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन।

भिकियासैंण। राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शर्मिला सक्सेना के निर्देशन में कौशल विकास के तत्वावधान में तीन दिवसीय कार्यशाला का आज समापन हो गया है। कार्यशाला में प्रथम दिन वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक डॉ. गौरव कुमार द्वारा कार्यक्रम का संचालन करते हुए रिजुम राईटिंग में महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया गया। इसी क्रम में डॉ. राजीव कुमार द्वारा ईमेल राईटिंग पर एक महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया गया।

इसी क्रम में कार्यशाला के दूसरे दिन मनोज शर्मा जन सेवा केंद्र संचालक भिकियासैंण द्वारा विद्यार्थियों को कम्प्यूटर कीज पर व्याख्यान दिया गया। वहीं कार्यशाला के तीसरे दिन डॉ. साबिर हुसैन द्वारा एबीसी आईडी बनाने व इंटरनेट के बारे में बताया गया। इसी क्रम में डॉ. परितोष उप्रेती द्वारा विद्यार्थियों को यूथ हब के विषय में अवगत कराते हुए इसके महत्व के बारे में बताया। अंत में प्राचार्य डॉ. शर्मिला सक्सेना ने विद्यार्थियों के समक्ष अपने विचार रखें। कार्यशाला के नोडल डॉ. गौरव कुमार द्वारा उक्त कार्यशाला का समापन करते हुए धन्यवाद दिया गया। कार्यशाला महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. शर्मिला सक्सेना की अध्यक्षता में आयोजित की गई। उक्त कार्यशाला में महाविद्यालय के प्राध्यापक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

रिपोर्टर- एस. आर. चन्द्रा भिकियासैंण

दैनिक शुभारम्भ न्यूज़ HOME उत्तराखण्ड शिक्षा स्वास्थ्य संस्कृति अपराध Subscribe Sign In

शिक्षा / Leave a Comment

डॉ. प्रताप बिष्ट राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण में कौशल विकास का तीन दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन।

भिकियासैंण। राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शर्मिला सक्सेना के निर्देशन में कौशल विकास के तत्वावधान में तीन दिवसीय कार्यशाला का आज समापन हो गया है। कार्यशाला में प्रथम दिन वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक डॉ. गौरव कुमार द्वारा कार्यक्रम का संचालन करते हुए रिजुम राईटिंग में महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया गया। इसी क्रम में डॉ. राजीव कुमार द्वारा ईमेल राईटिंग पर एक महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया गया।

इसी क्रम में कार्यशाला के दूसरे दिन मनोज शर्मा जन सेवा केंद्र संचालक भिकियासैंण द्वारा विद्यार्थियों को कम्प्यूटर कीज पर व्याख्यान दिया गया। वहीं कार्यशाला के तीसरे दिन डॉ. साबिर हुसैन द्वारा एबीसी आईडी बनाने व इंटरनेट के बारे में बताया गया। इसी क्रम में डॉ. परितोष उप्रेती द्वारा विद्यार्थियों को यूथ हब के विषय में अवगत कराते हुए इसके महत्व के बारे में बताया। अंत में प्राचार्य डॉ. शर्मिला सक्सेना ने विद्यार्थियों के समक्ष अपने विचार रखें। कार्यशाला के नोडल डॉ. गौरव कुमार द्वारा उक्त कार्यशाला का समापन करते हुए धन्यवाद दिया गया। कार्यशाला महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. शर्मिला सक्सेना की अध्यक्षता में आयोजित की गई। उक्त कार्यशाला में महाविद्यालय के प्राध्यापक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

रिपोर्टर- एस. आर. चन्द्रा भिकियासैंण

ऑनलाइन व्याख्यान में मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा

भिकियासैण। हेल्थ क्लब राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण के तत्वावधान में पॉजिटिव थिंकिंग, मेंटल हेल्थ एंड वेल-बीइंग विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य तनाव, चिंता और अवसाद जैसे मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े पहलुओं के विषय में स्कूल, कॉलेज एवं स्थानीय लोगों को जागरूक कर समाज में जागरूकता एवं सकारात्मक चिंतन को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता हुकुम सिंह बोरा, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सोमेश्वर की विभागाध्यक्ष प्रो. कमला धौलाखंडी भारद्वाज रहीं। उन्होंने सकारात्मक चिंतन पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालते हुए इसकी विशेषताओं और लाभों से अवगत कराया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. शर्मिला सक्सेना ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम वर्तमान समय की जरूरत हैं, सभी को इनसे लाभ उठाना चाहिए। इस दौरान प्रतिभागियों के लिए प्रश्नोत्तर सत्र भी रखा गया। जिसमें 59 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में डॉ. दीपा लोहनी, पुरातन छात्र संघ अध्यक्ष प्रवेश सौंटियाल, हिमांशु मनराल समेत शिक्षक-अभिवावक संघ के अध्यक्ष मोहन सिंह, डॉ. साबिर हुसैन, डॉ.सुभाष चंद्र, प्रतीक कांडपाल, रंजना आर्या आदि मौजूद रहे।

मीमांसा

यह क्लासिक पुस्तक नेपोलियन हिल के द्वारा लिखी गई सर्वोत्तम पुस्तक । यह अपनी श्रेणी की सर्वाधिक बिकने वाली पुस्तकों मैं से एक है । यह पुस्तक आपको दौलत कमाने के अचूक नुस्खे बताती है ।लेखक ने इस पुस्तक में 12 कदमों की व्याख्या की है । ये कदम आपको उठाने हैं यदि आप अमीर बनना चाहते हैं । लेखक ने सोचने की प्रक्रियाए डरए अवचेतन मन तथा सफलता प्राप्ति हेतु विभिन्न आयु के पाठकों के लिए विस्तार में लिखा है । इसके अलावाए उसने अन्य कई संबंधित विषयों पर भी पाठकों को अपने विचार संप्रेषित किए हैं । ये सभी तरीके धन कमाने के साधन के तौर पर प्रयुक्त हो सकते हैं । उसने उदाहरणों को विस्तृत रूप में पाठकों को समझाने का प्रयास किया है । लेखक ने सभी विचार सीधे.सादे तौर पर रखे हैं । अतः युवा वर्ग भी इन्हें समझ सकता है । लेखक ने इस पुस्तक में लिखा है रू श्श्ज्ञान धन को आकर्षित नहीं कर पायेगा जब तक यह स्वयं व्यवस्थित तौर से तथा समझदारी से निर्देशित नहीं होताण्ण्ण् इसके बाद ही धन के लक्ष्य की प्राप्ति हों सकेगीश्श् लेखक ने कहा है कि यदि हम अपने मन को भौतिकवादी वस्तुओंए जैसे कि कोई सामान या धनए पर केन्द्रित करेंए तो हमारे आसपास के हालात स्वयं इस प्रकार की वस्तुओं की प्राप्ति हेतु हमारे सहायक बन जाएंगे । आप यह पुस्तक केवल धन प्राप्ति हेतु ही न पढ़ें वरन इससे जीवन के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की भी प्रेरणा ले । अतः हमारी व्यवहारिक राय है. इस पुस्तक को पढ़ेए अमीर बनें तथा बुद्धिमता बोनस के रूप मैं प्राप्त करें ।

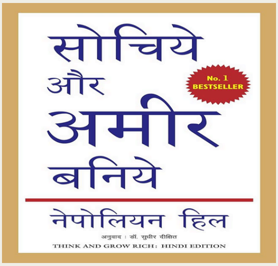

डा0 इला बिष्ट
सम्पादक
ई पत्रिका - गगास

महाविद्यालय परिवार

प्राचार्य

प्रो॰ (डॉ॰) शर्मिला सक्सेना

प्राध्यापक वर्ग

अर्थशास्त्र विभाग

डॉ॰ विश्वनाथ पाण्डेय

(असि॰ प्रोफेसर)

हिन्दी विभाग

डॉ॰ सुभाष चन्द्र आर्य

(असि॰ प्रोफेसर)

राजनीति विज्ञान विभाग

डॉ॰ दिनेश कुमार

(असि॰ प्रोफेसर)

इतिहास विभाग

डॉ॰ दीपा लोहनी

(असि॰ प्रोफेसर)

समाजशास्त्र विभाग

डॉ॰ इला बिष्ट

(असि॰ प्रोफेसर)

अंग्रेजी विभाग

डॉ॰ कौशल कुमार

(असि॰ प्रोफेसर)

भूगोल विभाग

डॉ॰ पारितोष उप्रेती

(असि॰ प्रोफेसर)

वाणिज्य विभाग

डॉ॰ गौरव कुमार

(असि॰ प्रोफेसर)

डॉ॰ राजीव कुमार

(असि॰ प्रोफेसर)

वनस्पति विज्ञान विभाग

डॉ॰ सोनम

(असि॰ प्रोफेसर)

जन्तु विज्ञान विभाग

डॉ॰ दयाकृष्ण

(असि॰ प्रोफेसर)

रसायन विज्ञान विभाग

डॉ॰ साविर हुसैन

(असि॰ प्रोफेसर)

भौतिकी विज्ञान विभाग

डॉ॰ इंदिरा

(असि॰ प्रोफेसर)

कार्यालय

श्री गौरव कुमार
(कनिष्ठ लिपिक)

श्री प्रदीप कुमार (उपनल)
(कनिष्ठ लिपिक)

प्रयोगशाला सहायक

श्री बिरेन्द्र राम
(जन्तु विज्ञान)

श्री शेरसिंह
(भौतिक विज्ञान)

अनुसेवक

श्री पूरन जलाल (उपनल)

श्री श्याम सुन्दर (उपनल)

श्री सुरेश कुमार (उपनल)

श्री सतीश कुमार (उपनल)

Info Desk

College Website- https://gdcbhikiyasain.in/

College Fb ID- https://www.facebook.com/photo/?fbid=525965566878099&set=a.525965573544765

College Youtube - UCV7z6yOzKf2rhW4jz9qzBfA

SSJU Website- https://www.ssju.ac.in/

Routes to Roots- https://r2rdigital.routes2roots.com/

Skill Development Programme-
https://www.msde.gov.in/

Anti-Ragging-
https://www.antiragging.in/affidavit_affiliated_form.php

Anti Drug-
https://pledge.mygov.in/fightagainstdrugabuse/